हिन्दी इतिहास का रीडर

HINDI HISTORY READER

John T. Roberts

University of Virginia

Revised 1986

Copyright • 1986

by

John T. Roberts

INTRODUCTION

This reader, as it is set up, is to be read straight through, with no jumping from one selection to another. The vocabulary glossarized for the first section is quite complete. In the second section the words glossarized in the first are not translated again. This plan continues on through the reader, subsequent glosses being non-repetitive. In some cases, where word uses differ or meanings vary, a word may be repeated in the glossary, but the student must learn the vocabulary as he proceeds or he will be in difficulty in the later passages. It is hoped that the placing of vocabulary items at the bottom of each page will enable the student to spend more time in memorization through specific contexts and less time in page-flipping. Rapid comprehension of the words in a sentence should also make its syntax more lucid. Students should resist the temptation to write the English meanings above the original text words, and should practice each page enough times to be able to read and translate it without help from the English glosses.

John T. Roberts

Charlottesville

ABBREVIATIONS

(adj)	adjective
(adj ph)	adjectival phrase
(adv)	adverb
(adv ph)	adverbial phrase
(conj)	conjunction
(exclam)	exclamation
(f)	feminine noun
(i)	intransitive verb
(indecl)	indeclinable
(indef pro)	indefinite pronoun
(m)	masculine noun
(part)	past participle
(pn)	proper noun
(pp)	postposition
(pres part)	present participle
(reflex)	reflexive pronoun
(rel pro)	relative pronoun
(t)	transitive verb
(voc)	vocative

* words marked with a single asterisk are place names

भारत का इतिहास

पहला अध्याय

हमारा भारत देश

हमारे देश का नाम भारतवर्ष है । यह इस का प्राचीन नाम है । भारतवर्ष इस देश का नाम क्यों पड़ा, इस संबन्ध में विद्वानों के कई विचार हैं । कुछ लोगों का कहना है कि दुष्यन्त के पुत्र सम्राट भरत के नाम पर इस देश का नाम भारत पड़ा । विदेशियों ने इस देश को 'हिन्दुस्तान' और 'इंडिया' कहा है । प्राचीन काल में - आर्यों से घिरे होने के कारण इस को 'आर्यावर्त' भी कहते थे । भारतवर्ष नाम आर्यों की देन थी । सब से प्रथम ईरानी लोग

इतिहास	(m)	history
अध्याय	(m)	chapter
प्राचीन	(adj)	ancient
इस संबन्ध में	(pro+pp)	in this connection
पड़ना	(i)	to fall, befall, get
विद्वान	(m)	scholar
दुष्यन्त	(pn)	Dushyanta
पुत्र	(m)	son
सम्राट	(m)	emperor
काल	(m)	time
आर्य	(m pl)	Aryans
घिरे	(adj)	surrounded
के कारण	(pp)	because of
देन	(f)	gift
प्रथम	(ord.num)	first

आये। उन्होंने पंजाब पर अधिकार कर लिया। वे पंजाब के आस-पास के लोगों को हिन्दू कहते थे। अतः उनलोगों ने इस देश का नाम 'हिन्दुस्तान' रखा। मुसलमानों के समय तक हमलोगों का देश हिन्दुस्तान ही कहा जाता रहा। अंग्रेज़ों ने हमारे देस का नाम 'इंडिया' रखा। ब्रिटिश शासन-काल में इस नाम का खूब प्रचार हुआ। आज भी विदेशी लोग इसे 'इंडिया' और 'भारत' दोनों ही नाम हमारे देश को दिये गए हैं।

पन्द्रह अगस्त, १९४७ को हमारा देश दो खंडों में बंट गया। हिन्दुस्तान और पाकिस्तान के नाम से दोनों खण्ड पुकारे जाते हैं। पूर्व में पूर्वी बंगाल*, पश्चिम में सिन्ध*, उत्तर पश्चिम का सीमा-प्रान्त*, बलूचिस्तान*, पश्चिमी

अधिकारकरना	(m+t)	to occupy, capture
के आस-पास	(pp)	neighboring
अतः	(adv)	therefore
नाम रखना	(m+t)	to name
अंग्रेज़	(m)	English
शासन-काल	(m)	time of rule
खूब	(adj)	good, considerable
प्रचार	(m)	prevalence
पुकारना	(t)	to call
गणतन्त्र	(m)	Republic
विधान	(m)	constitution
खण्ड	(m)	part
बंटना	(i)	to be divided
पूर्व	(m)	east
पूर्वी	(adj)	eastern
पश्चिम	(m)	west
उत्तर. . . प्रान्त	(pn)	Northwest Frontier Province
पश्चिमी	(adj)	western

पंजाब* आदि इलाक़े पाकिस्तान देश में चले गये । इतना होने पर भी हमारा देश बहुत बड़ा है ।

भारत की प्राकृतिक बनावट

प्रकृति ने हमारे देश भारतवर्ष की बड़ी सुन्दर और स्पष्ट हदबन्दी की है । प्राकृतिक दृष्टि से इसे चार भागों में विभक्त किया जा सकता है । १-हिमालय की पर्वत-श्रृखला, २-उत्तर-भारत का मैदान, ३-दक्षिण का पठार, ४-सामुद्रिक तट के मैदान ।

१ - हिमालय का पर्वत-श्रृखला - संसार में सब से ऊँचा पर्वत, हिमालय,

आदि	(adj)	etc., other
इलाक़ा	(m)	area, territory
प्रकृति	(f)	nature
स्पष्ट	(adj)	clear
हदबन्दी	(f)	border
दृष्टि	(f)	point of view
भाग	(m)	part
विभक्त करना	(adj+t)	to divide
पर्वत-श्रृंखला	(f)	mountain range
मैदान	(m)	plain
दक्षिण	(m)	south, Deccan
पठार	(m)	plateau
सामुद्रिक	(adj)	oceanic
(समुद्र m = ocean)		
तट	(m)	border, coast
संसार	(m)	world
ऊँचा	(adj)	high

इस के उत्तर में स्थित है। इसकी श्रेणी उत्तर-पश्चिम में कासमीर* से लेकर पूरब में आसाम* तक फैली हुई है। इसकी चोटियाँ बहुत ऊँची हैं। ये साल भर बर्फ़ से ढकी रहती हैं। इसकी सब से ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट* है, जो २९१४१ फुट है। हिमालय पर्वत का प्रभाव भारतवासियों के जीवन पर काफ़ी पड़ा है। हिमालय पर्वत प्रकृति की सब से बड़ी देन है। यह हमलोगों के आर्थिक, राजनीतिक और मानसिक जीवन को बहुत प्रभावित करता रहा है। भारत की प्रायः सब बड़ी-बड़ी नदियाँ हिमालय के गर्भ से निकली हैं, जिन में गंगा* और ब्रह्मपुत्र* मुख्य हैं। ये नदियाँ व्यापार के

स्थित	(adj)	standing
श्रेणी	(f)	row, range
पूरब	(m)	east
फैलना	(i)	to be spread
चोटी	(f)	peak
साल भर	(adv ph)	all year
बर्फ़	(m)	snow, ice
ढकना	(t)	to cover
प्रभाव	(m)	influence
आर्थिक	(adj)	economic
राजनीतिक	(adj)	political
मानसिक	(adj)	mental
जीवन	(m)	life
प्रभावित करना	(adj+t)	to influence
प्रायः	(adv)	almost
नदी	(f)	river
गर्भ	(m)	source, womb
मुख्य	(adj)	chief
व्यापार	(m)	commerce

साधन हैं।

इन नदियों के साथ आनेवाली उपजाऊ मिट्टी भारत के मैदान को उपजाऊ बनाती है। इसके अतिरिक्त समुद्र से उठनेवाली मौसमी हवा हिमालय पहाड़ से टकराकर भारत में काफ़ी वर्षा करती है। फलतः इसकी उपज बढ़ जाती है। हमलोगों के आर्थिक जीवन पर इसका बहुत प्रभाव पड़ा है। राजनीतिक दृष्टि से भी इसका बड़ा महत्त्व है। यह पर्वत बाहरी दुशमनों से देश की रक्षा करता है। इसके उत्तरी-पश्चिमी तथा उत्तरी-पूर्वी भागों में बहुत-से दर्रे हैं। उत्तरी-पश्चिमी भागवाले दर्रे अधिक

साधन	(m)	means, instrument
उपजाऊ	(adj)	fertile
मिट्टी	(f)	earth, soil
के अतिरिक्त	(pp)	in addition to
उठनेवाला	(adj)	which arises
मौसमी हवा	(adj+f)	seasonal wind
पहाड़	(m)	mountain
टकराना	(t)	to strike
वर्षा	(f)	rain
काफ़ी	(adj)	sufficient
फलतः	(adv)	as a result
उपज	(f)	fertility, crops
बढ़ना	(i)	to be increased
महत्त्व	(m)	importance
बाहरी	(adj)	outside
दुशमन	(m)	enemy
रक्षा करना	(f+t)	to protect
दर्रा	(m)	mountain pass
अधिक	(adv)	more, most

प्रसिद्ध हैं। भारत पर अधिकांश आक्रमण इन्हीं दर्रों के द्वारा हुए हैं। हिमालय धार्मिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। कैलाश* पर्वत शिव का निवास-स्थान समझा जाता है। इसलिये हमलोग हिमालय से धार्मिक प्रेरणा भी प्राप्त करते हैं।

२ - उत्तर-भारत के मैदान - हिमालय के बाद उत्तर-भारत के मैदान भारतीय इतिहास पर काफ़ी प्रभाव डालते हैं। उत्तर-भारत के मैदान को तीन भागों में विभक्त किया जा सकता है। सिन्धु*, गंगा* और ब्रह्मपुत्र*। सिन्धु नदी की पाँच शाखाएँ हैं, जो इसकी घाटी सींचती हैं। गंगा नदी ने उत्तर मैदान को काफ़ी उपजाऊ बनाया है। इस घाटी में हमारे पूर्वज आर्यों की सभ्यता का विकास हुआ था। भारत के पूरब में ब्रह्मपुत्र की घाटी है।

प्रसिद्ध	(adj)	famous
अधिकांश	(m)	majority
आक्रमण	(m)	invasion
के द्वारा	(pp)	by means of
धार्मिक	(adj)	religious
दृष्टिकोण	(m)	point of view
निवास-स्थान	(m)	dwelling place
समझना	(i/t here t)	to be considered, to consider
प्रेरणा	(f)	inspiration
प्राप्त करना	(t)	to receive
इतिहास	(m)	history
शाखा	(f)	branch
घाटी	(f)	valley
सींचना	(t)	to water
पूर्वज	(m)	forefathers
सभ्यता	(f)	civilization

यह नदी पहाड़ी इलाक़े में होकर वहाँ से गुज़रती है। फिर भी इसका मैदान उपजाऊ है। विदेशियों के आक्रमण इधर आसानी से नहीं हो सकते।

३ - दक्षिण का पठार - उत्तरी भारत के मैदान से सटे दक्षिण-भारत का पठार है। इसकी भूमि पथरीली है, पर जहाँ काली मिट्टी पायी जाती है, उन भागों में कपास की खेती अधिक होती है। इसमें वर्धा* की रूई सब से अच्छी मानी जाती है। इस क्षेत्र में कपास की खेती होने के कारण ही

पहाड़ी	(adj)	mountainous
गुज़रना	(i)	to flow, to flow out, to pass
विदेशी	(m)	foreigner
आसानी से	(adv.ph)	with ease, easily
से सटे	(pp)	adjoining
(सटना)	(i)	to adhere
भूमि	(f)	earth
पथरीली	(adj)	rocky
काला	(adj)	black
पाना	(t)	to get, to find
कपास	(f)	the cotton plant
खेती	(f)	cultivation
वर्धा	(pn)	the city of Vardhā
रूई	(f)	cotton
मानना	(t)	to consider
क्षेत्र	(m)	area
के कारण	(pp)	because of

वर्धा*, अहमदाबाद*, बम्बई* आदि स्थानों में अनेक सूती कपड़ों के मिल पाये जाते हैं। इस भाग में दो पहाड़ हैं, जो क्रमशः पूर्वीघाट और पश्चिमीघाट कहलाते हैं। इस भाग में नर्बदा*, ताप्ती*, गोदावरी*, कृष्णा* और कावेरी* प्रसिद्ध नदियाँ हैं। पहाड़ों से घिरे रहने के कारण दक्षिण-भारत की सभ्यता में उसकी अपनी विशेषताएँ पायी जाती हैं। दर्रा और रास्ता दुर्गम होने के कारण यहाँ विदेशियों के आक्रमण भी बहुत कम हुए हैं। दक्षिण के पठार के दोनों ओर समुद्र हैं। इसलिये दक्षिण का मैदान कुछ संकरा है, किन्तु नदियों के किनारे की भूमि उपजाऊ है। इस भूभाग में कोंकण* और केरल*

अनेक	(adj)	many
सूती	(adj)	made of cotton
कपड़ा	(m)	cloth
मिल	(m)	mill
क्रमशः	(adv)	respectively, in order
कहलाना	(i)	to be called
विशेषता	(f)	peculiarity
रास्ता	(f)	road
दुर्गम	(adj)	hard to travel on
कम	(adj)	less, few
ओर	(f)	direction, side
संकरा	(adj)	narrow
भूभाग	(m)	part of the world (lit. 'earth-portion')
कोंकण	(pn)	province in South India
केरल	(pn)	province in South India

तो भारतवर्ष के बाग़ ही कहलाते हैं। केरल राज्य में नारियल, अनानास, काजू और बाईस क़िस्म के केले पाये जाते हैं। इसके सिवा लौंग, इलायची और मसालों के भी पौधे पाये जाते हैं। सुपारी, कपूर और चंदन के जंगल भी इसके आस-पास पाये जाते हैं। इसके किनारे पर बहुत बड़े-बड़े बन्दरगाह हैं, जिन के ज़रिये बाहरी देशों से व्यापार और आने-जाने के कार्य होते रहते

बाग़	(m)	garden
राज्य	(m)	state
नारियल	(m)	coconut
अनानास	(m)	pineapple
काजू	(m)	cashew
क़िस्म	(m)	variety
केला	(m)	banana
के सिवा	(pp)	in addition to
लौंग	(m)	clove
इलायची	(f)	cardamom
मसाला	(m)	spice
पौधा	(m)	plant
सुपारी	(f)	betel
कपूर	(m)	camphor
चंदन	(m)	sandal wood
बन्दरगाह	(m)	harbor
के ज़रिये	(pp)	through
बाहरी	(adj)	outside
आना-जाना	(m)	travel, coming and going
कार्य	(m)	activity, task, job

हैं । इस तरह हम देखते हैं कि भारत की प्राकृतिक बनावट ने इसके इतिहास पर बहुत ही प्रभाव डाला है । यहाँ यह याद रखने की बात है कि पहाड़ी दर्रों और समुद्र के रास्ते केवल आक्रमण ही नहीं होते रहे हैं, बल्कि इनके कारण बाहरी दुनिया के साथ, सम्बन्ध स्थापित करने में काफ़ी सहायता मिली है । यदि ये भौगोलिक सुविधाएँ नहीं रहतीं, तो प्राचीन काल में बाहर से धार्मिक यात्री या व्यापारी इस देश में नहीं आ सकते थे और न एशिया के अधिकांश भागों में, ख़ासकर दक्षिणी-पूर्वी एशिया में, भारतीय संस्कृति तथा सभ्यता का विकास ही हो पाता ।

बनावट	(m)	formation
याद रखना	(f+t)	to remember
के रास्ते	(pp)	by means of
केवल	(adv)	only
बल्कि	(conj)	but rather
दुनिया	(f)	world
संबन्ध	(m)	contact
स्थापित करना	(adj+t)	to establish
सहायता	(f)	help
भौगोलिक	(adj)	geographic
भूगोल	(m)	geography
सुविधा	(f)	convenience
यात्री	(m)	traveller
व्यापारी	(m)	trader
एशिया	(pn)	Asia
ख़ासकर	(adv)	especially
संस्कृति	(f)	culture
तथा	(conj)	and

हमारा देश एक अत्यन्त विशाल देश है। तुम्हें मालूम है कि १५ अगस्त,१९४७ को यह देश दो खण्डों में बंट गया जिन के नाम भारत और पाकिस्तान पड़े। जब ये दोनों भाग एक साथ थे तब यह देश उतना ही बड़ा था, जितना रूस* को छोड़ कर सारा यूरोप है, या यों समझो कि इंगलैंड, जो बहुत दिनों तक हम पर शासन करता रहा, उससे यह बीस गुना बड़ा था। भारत और पाकिस्तान, दोनों ही राष्ट्रमण्डल में सम्मिलित हैं। मगर अभी भी कुछ ऐसे राज्य हैं जैसे नेपाल, भूतान तथा पुर्तगाली गोआ**, जो भारत की भौगोलिक सीमा के अन्दर रहते हुए भी इससे स्वतन्त्र हैं। अंग्रेज़ों के शासन

अत्यन्त	(adv)	extremely
विशाल	(adj)	huge, expansive
एक साथ	(adv)	together
रूस	(pn)	Russia
छोड़कर	(absolutive)	excluding, having left aside
सारा	(adj)	entire
यों	(adv)	thus
बहुत दिनों तक	(adv.ph)	for many days, for a long time
X पर शासन करना	(m+t)	to rule over X
गुना	(m)	times (multiplied)
राष्ट्रमण्डल	(m)	(British) Commonwealth
सम्मिलित	(adj)	included
मगर	(conj)	but
अभी भी	(adv)	even now
सीमा	(f)	border
के अन्दर	(pp)	within, inside
स्वतन्त्र	(adj)	independent

** This was written in 1958.

काल में, जो सैकड़ों छोटे-बड़े देशी राज्य थे, उन सब को, स्वतन्त्रता-प्राप्ति के बाद, भारत सरकार ने एक सूत्र में बाँध दिया। इससे भारत की राजनीतिक तथा सांस्कृतिक एकता स्थापित करने में बल मिला रहा है।

भारत के निवासी और उनका विभाजन

भाषा के आधार पर यहाँ के निवासियों को निम्न विभागों में बाँटा जा सकता है : -

१ - आर्य जाति के लोग - आर्य जाति के लोग बाहर से आये थे।

सैकड़ों	(adj)	hundreds
स्वतन्त्रता	(f)	independence
स्वतन्त्रता-प्राप्ति	(f)	attainment of independence
सरकार	(f)	government
सूत्र	(m)	thread, a unit (bound together)
बाँधना	(t)	to tie
एकता	(f)	unity
सांस्कृतिक	(adj)	cultural
बल	(m)	strength
निवासी	(m)	inhabitant
विभाजन	(m)	division
भाषा	(f)	language
आधार	(m)	basis
निम्न	(adj)	following
विभाग	(m)	division
बाँटना	(t)	to divide
जाति	(f)	race (<u>also</u> caste)

इन्होंने यहाँ बसकर सभ्यता का विकास किया, जो आर्य-सभ्यता एवं संस्कृति के नाम से प्रसिद्ध है। भारत के निवासियों में सब से ज़्यादा संख्या आर्य जाति की है और आर्य भाषाओं के बोलनेवालों की संख्या ७५ प्रतिशत से कुछ अधिक ही है। उड़िया, पंजाबी, हिन्दी, पश्तो, काश्मीरी, गुजराती, आसामी, मराठी, बंगला, सिन्धी इत्यादि सब आर्य भाषाएँ हैं। इन में हिन्दी सबसे मुख्य है, जिसके बोलनेवाले लगभग १४ करोड़ हैं। मगर इस से यह न समझना चाहिये कि आर्य भाषाओं के बोलनेवाले सभी आर्य ही हैं। क्योंकि यहाँ रक्त का सम्मिश्रण बहुत हुआ है। बहुत से निवासी विशुद्ध आर्य जाति के नहीं समझे जाते।

२ - द्राविड़ जाति के लोग - आर्यों के बाद द्राविड़ जाति का स्थान आता है। यह दक्षिण भारत में पायी जाती है। इस जाति के लोगों का कद

बसना	(i)	to dwell
एवं	(conj)	and
संख्या	(f)	number
प्रतिशत	(m)	percent
इत्यादि	(indecl)	etc.
लगभग	(adv)	about, approximately
करोड़	(num)	crore, ten million
रक्त	(m)	blood
सम्मिश्रण	(m)	mixture
विशुद्ध	(adj)	pure
कद	(m)	stature

नाटा होता है, और यह देखने में प्रायः काले रंग के होते हैं। द्राविड़ परिवार की भाषाओं में तामिल, तैलगू, मलयालम और कन्नड़ मुख्य हैं। ये क्रमशः तामिलनाद*, आन्ध्र प्रदेश*, केरल* और कर्नाटक* में बोली जाती हैं। इस हिस्से के निवासियों में द्राविड़ जाति की संख्या २० प्रतिशत से थोड़ी ज़्यादा है।

आर्य और द्राविड़ जातियों के अलावा कुछ जातियाँ हैं, जो जंगलों और पहाड़ों में रहती हैं। उन की भाषाएँ भिन्न हैं और प्रायः अविकसित दशा में हैं। बहुत सी ऐसी भाषाएँ हैं, जिन की न कोई लिपि है न कोई वर्णमाला। मुंडा और संथाली इन्हीं जातियों की भाषाएँ हैं। बिहार राज्य के संथाल परगने तथा छोटा नागपुर के ज़िलों में इन की संख्या अधिक पायी जाती है। इन पहाड़ी जातियों के लोग रंग में काले और कद में छोटे होते हैं, मगर ये

नाटा	(adj)	short
देखने में	(m+pp)	in appearance
प्रायः	(adv)	almost
काला	(adj)	black
रंग	(m)	color
परिवार	(m)	family
हिस्सा	(m)	portion, part
के अलावा	(pp)	in addition to
भिन्न	(adj)	separate
अविकसित	(adj)	undeveloped
दशा	(f)	condition
लिपि	(f)	writing
वर्णमाला	(f)	alphabet
परगना	(m)	district
ज़िला	(m)	district

हृष्ट-पुष्ट और मज़बूत होते हैं। अब धीरे धीरे इन लोगों में भी शिक्षा और सभ्यता का प्रचार हो रहा है। इन जातियों के अतिरिक्त भारत में समय समय पर विदेशी आक्रमणकारी भी आये। जैसे इरानी*, यूनानी*, शक*, हूण* इत्यादि। इन जातियों के लोगों ने अधिकतर यहाँ के प्रचलित धर्मों तथा मतों को क़बूल कर लिया और भारतीय समाज में घुल-मिल गये।

भारतीय सभ्यता पर इस सम्मिश्रण का काफ़ी प्रभाव डाला है। मध्ययुग में अरब* और तुर्क* जातियों के लोग भी भारत आये और ये लोग भी धीरे धीरे भारतीय समाज के अङ्ग मिल गये।

हृष्ट-पुष्ट	(adj)	sturdy
मज़बूत	(adj)	strong
शिक्षा	(f)	education
प्रचार	(m)	spread
के अतिरिक्त	(pp)	in addition to
समय-समय पर	(adv.ph)	from time to time
आक्रमणकारी	(m)	invader
जैसे	(conj)	for example
अधिकतर	(adv)	mostly
प्रचलित	(adj)	current, prevalent
धर्म	(m)	here religion
मत	(m)	sect, opinion
क़बूल करना	(m+t)	to accept
समाज	(m)	society
घुलना-मिलना	(i)	to be absorbed
मध्ययुग	(m)	Middle Ages
अङ्ग	(m)	part, portion, limb

सत्रहवीं और अठारहवीं शताब्दी में हमारे देश में यूरोपीय* जातियों का आगमन हुआ। इनमें फ़्रांसीसी*, डच*, और अंग्रेज़* बहुत ही प्रसिद्ध हैं। ये व्यापार करने के लिये पहले पहले इस देश में आये और यहाँ के लोगों की आपसी फूट के कारण इन्होंने धीरे-धीरे छोटे-मोटे राज्य भी क़ायम कर लिये। इन जातियों में सब से चालाक और सफ़ल अंग्रेज़ ही निकले, जो हमारे देश पर १९४७ तक शासन करते रहे।

विविधता में एकत

भौगोलिक स्थिति ने यहाँ के लोगों के जीवन पर बड़ा ही प्रभाव डाला है।

सत्रवाँ	(ord.num)	17th
अठारहवाँ	(ord.num)	18th
शताब्दी	(f)	century
आगमन	(m)	advent
पहले-पहले	(adv)	first of all
आपसी	(adj)	internal, among themselves
फूट	(f)	conflict
छोटा-मोटा	(adj)	rather small (lit. 'small-fat')
क़ायम रखना	(adj+t)	to establish
चालाक	(adj)	clever
सफल	(adj)	successful
निकलना	(i)	to come out, to turn out to be
विविधता	(f)	diversity
स्थिति	(f)	situation

इस के विभिन्न भागों की बनावट एक दूसरे से भिन्न है, और प्रत्येक भाग की अपनी-अपनी विशेषताएँ हैं, जो इस की विविधता में गहरी एकता पैदा कर देती है। लोगों के रीति-रिवाज भी एक दूसरे से भिन्न हैं। यहाँ का जनसंख्या बहुत अधिक ही है। इस में तरह-तरह की जातियाँ रहती हैं। उनकी बोलियों और भाषाएँ भिन्न-भिन्न हैं। इन भाषाओं तथा उपभाषाओं की संख्या लगभग दो सौ है। यहाँ प्रायः सभी धर्मों के माननेवाले लोग रहते हैं। जैसे हिन्दू, सिख, यहूदी, पारसी, बौद्ध, जैन और ईसाई। इस की जनसंख्या पूरे संसार की जनसंख्या का लगभग ५वाँ भाग है। इस तरह हम देखते हैं कि भारतीय संस्कृति में भी एकता का सुन्दर सामंजस्य है। यद्यपि देश के भीतर कई प्राकृतिक विभाग हैं, फिर भी भौगोलिक दृष्टिकोण से यह

विभिन्न	(adj)	various
भिन्न	(adj)	distinct, separate
प्रत्येक	(adj)	each, every
विशेषता	(f)	specialty
गहरा	(adj)	deep
पैदा करना	(adj+t)	to produce
रीति-रिवाज	(m)	customs
जनसंख्या	(f)	population
बोली	(f)	dialect
भिन्न-भिन्न	(adj)	varied
उपभाषा	(f)	sub-language, dialect
माननेवाला	(m)	one who accepts
यहूदी	(m)	Jew
बौद्ध	(m)	Buddhist
ईसाई	(m)	Christian
सामंजस्य	(m)	blend
के भीतर	(pp)	within

देश एक ही है । विभिन्न भागों की विभिन्न जातियों के लोग बराबर एक दूसरे से सामाजिक और सांस्कृतिक सम्पर्क रखते आये हैं । चाहे हम भारत के किसी भाग में जाएँ, भारतीय संस्कृति की छाप दिखाई पड़ेगी । राजनीतिक दृष्टिकोण से भी भारत की एकता अक्षुण्ण रही है । हमारे शास्त्रों में हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक की भूमि के पूरे निवासियों को भारतीय कहा गया है । हमारे पूर्वज सदा से अपने देश के प्रति विशेष प्रकार की ममता का अनुभव करते रहे हैं । सारे देश को उन्होंने मातृभूमि और देवभूमि माना और

बराबर	(adv)	usually
सामाजिक	(adj)	social
सम्पर्क	(m)	contact
चाहे	(indecl)	no matter
छाप	(f)	imprint
दिखाई पड़ना	(f+i)	to be seen
अक्षुण्ण	(adj)	intact
शास्त्र	(m)	Shastra (text)
कन्याकुमारी	(pn)	Cape Comorin
पूरा	(adj)	all
निवासी	(m)	inhabitant
पूर्वज	(m)	forebears
सदा से	(adv.ph)	always
के प्रति	(pp)	towards
ममता	(f)	attachment
अनुभव करना	(m+t)	to feel, to experience
मातृभूमि	(f)	motherland
देवभूमि	(f)	land of the gods

सम्पूर्ण भारत में, एक सिरे से दूसरे सिरे तक तीर्थों और देवस्थानों की स्थापना की। गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा, सिन्धु और कावेरी - ये सात नदियाँ भारत के सभी हिंदुओं के लिए पवित्र हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिये कि इस देश में बहुत प्राचीन समय से यह विचार रहा है कि हमारा भारत एक चक्रवर्ती साम्राज्य का उपयुक्त क्षेत्र है। इस में एक ही राजनीतिक शक्ति का शासन होना चाहिये। ब्रिटिश शासन-काल में भी सारे देश में शासन की एकता क़ायम थी। आधुनिक युग में, पाकिस्तान के

सम्पूर्ण	(adj)	entire
सिरा	(m)	extreme, end
तीर्थ	(m)	place of pilgrimage
देवस्थान	(m)	holy place
स्थापना करना	(f+t)	to establish
पवित्र	(adj)	holy
याद रखना	(f+t)	to remember
विचार	(m)	belief
चक्रवर्ती	(m)	Universal Ruler
साम्राज्य	(m)	empire
उपयुक्त	(adj)	suitable
क्षेत्र	(m)	area, field
शक्ति	(f)	power
शासन	(m)	administration
क़ायम	(adj)	established
आधुनिक	(adj)	modern
युग	(m)	age

अलग हो जाने से, भारतीय एकता को कुछ धक्का लगा है। लेकिन अभी भी हमारा देश बहुत बड़ा है, और सभी लोग सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक दृष्टिकोण से प्रायः एक ही सूत्र में बंधे हैं।

अलग	(adj)	separate
धक्का	(m)	blow
अभी भी	(adv.ph)	even now
बंधना	(i)	to be bound

पहले अध्याय का अन्त

दूसराअध्याय

सिन्धु-घाटी की सभ्यता

सिन्धु सभ्यता भारत की प्राचीनतम सभ्यता है । इस सभ्यता का विकास आज से लगभग पाँच हज़ार वर्ष पहले हमारे देश में हुआ था । यह सभ्यता पंजाब के मोंटगुमरी ज़िले के हड़प्पा, और सिन्धु प्रांत के लरकाना ज़िले के मोहनजोदड़ो में फैली हुई थी । मोहनजोदड़ो कराची से २०० मील उत्तर में सिन्धु नदी के तट पर है । इन दोनों स्थानों में ३५० मील का अन्तर है । हाल में जो खुदाइयाँ हुई हैं, उन से इस सभ्यता के विषय में बहुत-सी बातों का पता चलता है ।

१ - नगर - खुदाइयों से पता चलता है कि, सिन्धु घाटी की सभ्यता प्रमुखतया एक नगर-सभ्यता थी । खंडहरों से पता चलता है कि उन के

सिन्धु-घाटी	(pn)	Indus Valley
प्राचीनतम	(adj)	oldest
प्रान्त	(m)	province
हाल में	(adv)	recently
खुदाइयाँ	(f.pl)	excavations
के विशय में	(pp)	in connection with
पता	(m)	information
प्रमुखतया	(adv)	chiefly
नगर	(m)	city
खंडहर	(m)	ruins

बसानेवाले भवन-निर्माण-कला से पूर्णतः परिचित थे। नगर एक निश्चित क्रम से बना हुआ था। इस में छोटे और बड़े सभी तरह के मकान बने हुए थे। वे पक्के, हवादार और मज़बूत होते थे। उन में नालियों का उत्तम प्रबन्ध था। प्रत्येक मकान में स्नान-घर अवश्य होता था। सब से अच्छे मकान नागरिकों के थे, जो ईंटों के तथा चौकोर बने हुए थे। मकानों की

बसानेवाला	(m)	inhabitant
भवन(A)-निर्माण(B)-कला(C)		C of B of A
भवन	(m)	building
निर्माण	(m)	construction
कला	(f)	art
पूर्णतः	(adv)	fully
परिचित	(adj)	acquainted
निश्चित	(adj)	decided, definite
क्रम	(m)	order
मकान	(m)	house
पक्का मकान	(adj+m)	baked-brick house
हवादार	(adj)	airy
नाली	(f)	sewer
उत्तम	(adj)	excellent
प्रबन्ध	(m)	arrangement
स्नानघर	(m)	bathroom, washroom
नागरिक	(m)	city dweller
ईंट	(f)	brick
चौकोर	(adj)	four-sided

मज़बूती का अन्दाज़ इसी से लग जाता है कि वे पाँच हज़ार वर्षों के बाद भी ज़मीन के अन्दर स्थित हैं। नगर में सड़कों का प्रबन्ध था। इस की गलियाँ और बाज़ार बड़े सिलसिले से बने थे। सड़कें चौड़ी और लम्बी होती थीं। वे ढालुआँ होती थीं और उनके दोनों ओर बड़ी-बड़ी नालियों का प्रबन्ध था।

२ - सामाजिक जीवन - खंडहरों से सिन्धु-सभ्यता की एक सुन्दर झाँकी मिलती है। लोग मज़बूत और नाटे कद के होते थे। पुरुष और स्त्रियाँ दोनों शृंगारप्रिय थे और बड़ी सज-धज-कर रहते थे। मर्द और स्त्रियाँ

मज़बूती	(f)	strength
अन्दाज़	(m)	estimate, guess
स्थित	(adj)	existent
सड़क	(f)	street
बाज़ार	(m)	here a wide street
सिलसिले से	(adv.ph)	systematically
चौड़ा	(adj)	wide
लम्बा	(adj)	long
ढालुआँ	(adj)	sloping
झाँकी	(f)	glance, glimpse
नाटा	(adj)	short
पुरुष	(m)	man
शृंगारप्रिय	(adj)	fond of ornaments
-प्रिय	(suffix)	fond of -
बड़ी सज-धज	(adj)	well decked out
मर्द	(m)	man

दोनों गहनों का व्यवहार करते थे। मर्द सिर के बाल बहुत सुन्दर ढंग से सजा कर पीछे की ओर रखते थे। मूँछें रखने की चाल नहीं थी। वे सूती और ऊनी दोनों प्रकार के वस्त्र पहनते थे। पुरुष धोती और शाल का व्यवहार करते थ। आजकल की तरह उनके यहाँ भी शृंगार के बहुत से प्रसाधन थे। स्त्रियाँ साड़ियाँ पहनती थीं। उन्हें गहनों का बहुत शौक था। वे कड़े, पायल और कान की बालियाँ पहनती थीं और बाँहों पर चूड़ियाँ भी

गहना	(m)	jewelry
X का व्यवहार क०	(m+t)	to use X
सिर	(m)	head
बाल	(m)	hair
ढंग	(m)	manner, way
सजाना	(t)	to groom
मूँछें	(m.pl)	moustache(s)
चाल	(f)	here custom
ऊनी	(adj)	woolen
वस्त्र	(m)	clothes
पहनना	(t)	to wear
शाल	(m)	shawl
प्रसाधन	(m)	cosmetics
X का सौक	(adj)	fond of X
कड़ी	(m)	bracelet
पायल	(f)	anklet
कान की बाली	(f)	earring (large hooped type)
कान	(m)	ear
बाँह	(f)	forearm
चूड़ी	(f)	bangle

पहनती थीं। होंठों और नाखूनों को रंगने की भी प्रथा थी। सिन्दूर, महावर, काजल और इत्र शृंगार के मुख्य साधन थे।

३ - आर्थिक जीवन - इस सभ्यता के लोगों का आर्थिक जीवन सुखमय था। वे कई प्रकार के उद्योग और व्यवहार में लगे रहते थे। खेती उन का मुख्य व्यवसाय था। गेहूँ और जौ मुख्य उपज थी। कपास और खजूर की भी खेती होती थी। उस समय सिन्धु प्रदेश आजकल की तरह

होंठ	(m)	lip
नाखून	(m)	fingernail
रंगना	(t)	to color
प्रथा	(f)	custom
सिन्दूर	(m)	zinc oxide (white)
महावर	(m)	henna (red)
काजल	(m)	eye-black
इत्र	(m)	perfume
साधन	(m)	means
सुखमय	(adj)	full of happiness
सुख	(m)	happiness
उद्योग	(m)	craft, industry
व्यवसाय	(m)	trade (occupation)
लगे रहते थे	(note)	(they) kept busy
खेती	(f)	agriculture
गेहूँ	(m)	wheat
जौ (=जव)	(m)	barley
उपज	(f)	crop
कपास	(f)	the cotton plant
खजूर	(f)	date (fruit)

मरुभूमि नहीं था। वृष्टि अधिक होती थी और इसलिए अन्न की उपज ज़्यादा थी। खेती के साथ-साथ वे पशुओं को भी पालते थे। भग्नावशेषों से जानवरों की हड्डियाँ निकली हैं, जिन के अध्ययन से निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि सिन्धु-सभ्यता के लोग गाय, बैल, भैंस, हाथी, सूअर, कुत्ते और

मरुभूमि	(f)	desert (lit. 'dead land')
वृष्टि	(f)	rain
अन्न	(m)	food
पशु	(m)	animal
पालना	(t)	to raise (animals), to protect
भग्नावशेष	(m.pl)	ruins
भग्न+अवशेष		(lit. broken remains)
जानवर	(m)	animal
हड्डी	(f)	bone
अध्ययन	(m)	study
निश्चित रूप से	(adv.ph)	definitely
गाय	(f)	cow
बैल	(m)	bullock
भैंस	(f)	buffalo
भेड़	(f)	sheep
हाथी	(m)	elephant
सूअर	(m)	pig
कुत्ता	(m)	dog

मुर्गियाँ पालते थे, तथा गैंडा, चीता, भालू, बन्दर, खरगोश आदि जानवरों से परिचित थे। खेती और पशु-पालन के सिवा लोग कई और उद्योग-धन्धों में लगे रहते थ। कपड़ा बुनने का काम लोगों को अच्छी तरह मालूम था। कपास की खेती संसार में सब से पहले भारत में ही हुई थी। ऊनी और सूती दोनों तरह के कपड़े बनाये जाते थे।

मिट्टी के बर्तन बड़े सुन्दर ढंग से बनाये जाते थे। उन पर नक्काशी का काम भी किया जाता था। चूहेदानी और पशुओं के लिये पिंजड़े तथा सामान रखने के लिए मिट्टी के बड़े-बड़े घड़े बनाये जाते थ। इन के अलावा

मुर्गी	(f)	chicken
गैण्डा	(m)	rhinoceros
चीता	(m)	cheetah
भालू	(m)	bear
बन्दर	(m)	monkey
खरगोश	(m)	rabbit
परिचित	(adj)	acquainted
पशु-पालन	(m)	raising of animals
के सिवा	(pp)	in addition to
उद्योग-धन्धा	(m)	crafts and trades
बुनना	(t)	to weave
मिट्टी	(f)	clay
बर्तन	(m)	pot
नक्काशी	(f)	engraving
चूहेदानी	(adj)	as a rat (mouse) trap
पिंजड़ा	(m)	cage
घड़ा	(m)	pitcher

सोने, चाँदी, ताँबे, आदि धातुओं का प्रयोग भी होता था। सोने और चाँदी के सुन्दर और आकर्षक गहने बनाये जाते थे जिन के नमूने आज भी मिलते हैं। ऐसा मालूम होता है कि ये लोग लोहे से परिचित नहीं थे। खंडहरों से लोहे का बना हुआ किसी प्रकार का सामान अभी तक नहीं पाया गया है।

यहाँ के निवासियों का व्यापार काफ़ी बढ़ा-चढ़ा था, और अनुमान किया जाता है कि उनका सुदूर देशों के साथ व्यापारिक संबन्ध भी थे। खंडहरों से कई नस्लों की हड्डियाँ मिली हैं जिन से पता चलता है कि मोहनजोदड़ो और हड़प्पा कई देशों के व्यापारिक केंद्र थे। व्यापार के लिए सिक्कों का प्रयोग

सोना	(m)	gold
चाँदी	(f)	silver
ताँबा	(m)	copper
धातु	(m)	metal
प्रयोग	(m)	use
आकर्षक	(adj)	attractive
नमूना	(m)	sample
लोहा	(m)	iron
पाना	(t)	here to find
व्यापार	(m)	trade, commerce
बढ़ा-चढ़ा	(adj)	extensive
अनुमान करना	(m+t)	to estimate
सुदूर	(adj)	far, distant
व्यापारिक	(adj)	(pertaining to) trade
नस्ल	(f)	race
केन्द्र	(m)	center
सिक्का	(m)	coinage

होता था। लोगों का आर्थिक जीवन समृद्ध था तथा जीवन का बहुत-सी सुविधाएँ उन्हें प्राप्त थीं। चावल और जौ उनका मुख्य भोजन था। दूध और मक्खन का व्यवहार वे खूब करते थे। उनके बर्तन अधिकाँश मिट्टी और लकड़ी के बने होते थे। मसाले पीसने के लिए सिल और रोटी पकाने के लिए बेलन का व्यवहार होता था। अनाज कूटने के लिए ओखली भी थी। वे साग-भाजी, पालतू जानवरों का माँस और मछली खाते थे। उनके पास

समृद्ध	(adj)	prosperous
सुविधाएँ	(f.pl)	comforts
चावल	(m.pl)	rice
भोजन	(m)	food, diet
दूध	(m)	milk
मक्खन	(m)	butter
अधिकांश	(adv)	mostly
लकड़ी	(f)	wood
पीसना	(t)	to grind
सिल	(m)	stone
बेलन	(m)	rolling pin
कूटना	(t)	to thresh
ओखली	(f)	morter board
साग	(m)	leafy vegetables
भाजी	(f)	vegetables
पालतू	(adj)	domesticated
माँस	(m)	flesh, meat
मछली	(f)	fish

मनोरंजन के भी साधन थे। जुआ और चौपड़ उनके मुख्य खेल थे। इनके अतिरिक्त शिकार करना और नाचना-गाना उनके मनोरंजन के साधन थे। वीणा जैसे वाद्य-यंत्र का व्यवहार भी वे किया करते थे। सूत कातना भी उनके लिए मनोविनोद का अच्छा साधन था।

४ - धार्मिक जीवन - मोहनजोदड़ो और हड़प्पा की खुदाइयों से जो भग्नावशेष निकले हैं, उनमें धार्मिक स्मारकों का अभाव है। इसलिए सिंधु-सभ्यता के निवासियों के धर्म के विषय में विस्तृत रूप से कहना कठिन

मनोरंजन	(m)	entertainment
मनो + रंजन	(m+m)	lit. 'mind-delight'
जुआ	(m)	gambling
चौपड़	(m)	chess
खेल	(m)	game
शिकार करना	(m+t)	to hunt
नाचना	(t)	to dance
नाचना-गाना	(m+m)	dancing & singing
वीणा	(f)	vinā, Veena, (a stringed instrument)
-जैसा	(pp)	resembling, -like
वाद्य	(m)	musical instrument
यन्त्र	(m)	instrument (machine)
सूत कातना	(m)	spinning (of cotton)
मनोविनोद	(m)	entertainment
स्मारक	(m)	relic
अभाव	(m)	lack
के विषय में	(pp)	about, concerning
विस्तृत रूप से	(adv.ph)	in detail

है । खण्डहरों से असंख्य छोटी-छोटी मूर्तियाँ निकली हैं जिन से पता चलता है कि हिन्दू धर्म के कई अङ्ग सिन्धु-सभ्यता के धर्म में मौजूद थे । लोग देवी-देवताओं की पूजा करते थे । वृक्ष, नाग और जल की भी पूजा होती थी, विशेष त्योहारों पर लोग नदियों में स्नान करना पवित्र समझते थे । विद्वानों का अनुमान है कि सिन्धु-सभ्यता के निवासियों के धार्मिक जीवन का प्रभाव वैदिक आर्यों पर भी पड़ा है ।

यहाँ के निवासी शवों को गाड़ते और जलाते थे । मृतक संस्कार विधिवत होता था । पुनर्जीवन में लोग विश्वास करते थे । मृतकों के साथ बर्तन और

मूर्ति	(f)	image, statue
मौजूद	(adj)	existent, present

note: past participle plus करना = habitual, regularly repeated action

e.g. जाया करता था he (always) used to go (note जाया not गया)

वृक्ष	(m)	tree
नाग	(m)	snake
जल	(m)	water
त्योहार	(m)	festival
अनुमान	(m)	guess
वैदिक	(adj)	Vedic
शव	(m)	body, corpse
गाड़ना	(t)	to bury
जलाना	(t)	to burn
मृतक-संस्कार	(m)	funeral rites
विधिवत	(adj)	according to prescription
पुनर्जीवन	(m)	rebirth
विश्वास करना	(m+t)	to believe
मृतक	(m)	the dead person

आभूषण भी गाड़ दिये जाते थे।

५ - कला-कौशल - सिन्धु-सभ्यता के निवासी कलाविद् थे। उनके कार्यों में सुन्दर कला के दर्शन होते हैं। तुम पढ़ चुके हो कि भवन-निर्माण-कला में वे काफ़ी आगे-बढ़े हुए थे। उनकी मूर्ती-कला भी अत्यन्त उन्नत थी। यह उनकी मूर्तियों के देखने से पता चलता है। भग्नावशेषों से एक नर्तकी की मूर्ती प्राप्त हुई है, जो नृत्य की मुद्रा में है। इस मूर्ती की सजीवता इस युग की कला की द्योतिका है। कुछ पुरुषों की भी मूर्तियाँ मिली हैं, जो अत्यन्त सजीव हैं। सीलों पर देवियों और देवताओं की मूर्तियाँ अंकित हैं, जो उस युग की सुन्दर मूर्ती-कला का प्रमाण देती हैं। यदा-कदा जानवरों की मूर्तियाँ भी खिलौने के रूप में मिली हैं। उनपर भी सिन्धु निवासियों की कला की विशिष्ट छाप है।

कला-कौशल	(m)	arts and crafts
कलाविद्	(adj)	skilled in the arts
आगे बढ़े	(adj)	advanced
अत्यन्त	(adv)	extremely
उन्नत	(adj)	progressive, progressed
नर्तकी	(f)	dancing girl
नृत्य	(m)	dance
मुद्रा	(m)	pose, posture
सजीवता	(f)	livliness
द्योतिका	(f)	physical evidence
सील	(m)	seal
अंकित	(adj)	carved
X का प्रमाण देना	(m+t)	to demonstrate X
यदा-कदा	(adv)	now and then
खिलौना	(m)	toy
विशिष्ट छाप	(adj+f)	individualistic imprint

६ - साहित्य - सिन्धु-सभ्यता के निवासियों के साहित्य-निर्माण के संबन्ध में अधिक जानकारी नहीं प्राप्त हो सकी है। पत्थर या मिट्टी पर लिखी हुई उनकी लिपियाँ हैं, जो चित्रात्मक हैं। दुर्भाग्यवश इन्हें अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है। उनके पढ़ने के बाद इस सभ्यता के विषय में हमें और भी नई बातें मालूम हो सकेंगी।

साहित्य	(m)	literature
साहित्य-निर्माण	(m)	literary creation
जानकारी	(f)	knowledge
चित्रात्मक	(adj)	hieroglyphic, picture writing
दुर्भाग्यवश	(adv)	unfortunately